दैनिक पत्रिका, भोपाल 1 FEB 2010

हॉकी की मदद के लिए पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै ने लगाई गुहार

शिवराज की तरह अन्य भी आगे आएं

ग्वालियर, 31 जनवरी (ब्यूरो) भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै ने कहा है कि मध्य प्रदेश की तर्ज पर अन्य राज्यों को भी हाशिए पर जा चुके राष्ट्रीय खेल हॉकी की आर्थिक मदद के लिए आगे आना चाहिए।

पिल्लै ने रविवार को कहा, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का कदम सराहनीय है। उनकी तरह यदि अन्य राज्यों की सरकारें भी मुख्यमंत्री कल्याण कोष से पांच-पांच करोड़ रुपए दें तो भारतीय हॉकी को किसी का मोहताज नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने कहा, व्यर्थ की राजनीति के कारण ही गत दिनों हॉकी खिलाड़ियों को हड़ताल पर जाना पड़ा। मैंने हॉकी इंडिया और खिलाड़ियों से अलग-अलग बात कर इस विवाद को सुलझाया।

प्रतिभाओं की कमी नहीं

पूर्व कप्तान पिल्लै ने कहा कि क्रिकेट की तरह यदि अन्य खेलों को भी बढ़ावा दिया जाए तो देश में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं ग्रामीण क्षेत्र से आकर हॉकी टीम के कप्तान बने।

ग्रामीण क्षेत्रों से काफी प्रतिभाएं उभर कर सामने आई हैं, लेकिन सुविधाओं के अभाव में कुछ कर नहीं पाईं। पिल्लै ने कहा कि मीडिया की उपेक्षा के कारण ही देश के राष्ट्रीय की दुर्दशा हुई है। क्रिकेट टीम के जीतने पर मीडिया भी प्रमुखता से प्रचारित-प्रकाशित करता है, लेकिन हॉकी खिलाड़ियों के विश्वकप जीतने पर भी उसे प्रमुखता से स्थान नहीं मिल पाता। इससे खिलाड़ी हतोत्साहित होते हैं। उन्होंने कहा कि सभी खेलों को आयोजकों की जरूरत पड़ती है।

चक दे गर्ल्स के समर्थन में बिग बी

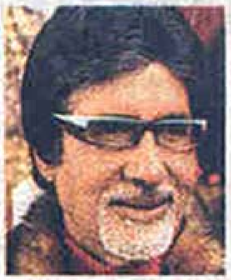

नई दिल्ली। बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम के वेतन को लेकर हॉकी इंडिया से चल रहे विवाद पर चिंता जताई और इस मामले की विस्तृत जानकारी मांगी, ताकि इस बारे में बेहतर प्रयास किए जा सकें। अमिताभ ने अपने ब्लॉग में लिखा है कि यह पहला अवसर नही है, जब हॉकी खिलाड़ियों ने इस तरह की शिकायत की है। हॉकी खिलाड़ियों की आर्थिक मदद के लिए चंडीगढ़ में एक समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसकी अगुआई बिग बी करेंगे। पुणे में आयोजित प्रशिक्षण शिविर से लौट रहे पुरुष राष्ट्रीय हॉकी दल ने अमिताभ बच्चन से मिलने की इच्छा जाहिर की है। वेतन को लेकर पुरुष हॉकी दल का भी आयोजकों और हॉकी इंडिया के साथ विवाद हुआ था, लेकिन इसका समाधान हो गया है। अब महिला हॉकी दल ने पुरुषों के समकक्ष वेतनमान और सुविधाएं दिए जाने की मांग की है।